अतिथि देवो भवः की भावना का सजीव उदाहरण है मेवाड़ विश्वविद्यालयः प्रो. शान्तिश्री धुलिपुड़ी

मेवाड़ विश्वविद्यालय ने मनाया वार्षिकोत्सव

राजस्थान दर्शन

चित्तौड़गढ़/गंगरार। मेवाड़ विश्वविद्यालय विभिन्न संस्कृतियों, विभिन्न राज्यों, विभिन्न देशों के विद्यार्थियों का संगम है। जो अपने असल रूप में अतिथि देवोभवः की अवधारणा को दर्शाता है। उक्त उद्गार जवाहर लाल नेहरू विवविद्यालय की कुलपति प्रो. शान्ति श्री धुलीपुड़ी पण्डित ने मेवाड़ विश्वविद्यालय के वार्षिक समारोह में बतौर मुख्य अतिथि कही। आगे उन्होने कहा कि निस्सन्देह मेवाड़ विश्वविद्यालय ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा की जो अलख जगा रहा है, यह अन्य विश्वविद्यालय के लिये अनुकरणीय है। जेएनयू, मेवाड़ विश्वविद्यालय के साथ सहयोग करने के लिये सदैव तैयार है। प्रो. पण्डित, मेवाड़ विवविद्यालय में पिछले दस दिनों से वार्षिक समारोह के अन्तर्गत विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक, खेल, एवं

तकनीकी प्रतियोगिताओं के समापन समारोह को सम्बोधित कर रही थीं। इस दस दिवसीय कार्यक्रम की भव्यता का अन्दाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि लगभग चालीस प्रतिस्पर्धाओं में विश्वविद्यालय के एक हजार से भी अधिक विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। ज्ञात हो कि विश्वविद्यालय में देश के अनेक राज्यों के साथ-साथ विदेशी छात्रों ने मिल-जुल कर प्रतिभाग किया। कार्यक्रम की शरूआत सरस्वती वन्दना व कुलगीत से हुई। अतिथियों का स्वागत बुके, शॉल व स्मृति चिन्ह भेंट कर किया गया। अतिथियों का परिचय व स्वागत भाषण मेवाड़ विवविद्यालय के प्रति कुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ला ने दिया। इस अवसर पद्म श्री प्रो० किरन सेठ को भी कुलाधिपति, डॉ. अशोक कुमार गदिया द्वारा सम्मानित किया गया। विशिष्ट अतिथि हिन्दुस्तान जिंक के यूनिट हेड सी-चन्द्रू ने छात्रों को मार्गदर्शन प्रदान करते हुए कहा कि वार्षिक समारोह में होने वाली विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने का मतलब महज मस्ती करना ही नहीं, बल्कि इनके जरिये अपने व्यक्तित्व के विकास एवं नेतृत्व क्षमता को बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए। आगे उन्होने कहा कि एक सफल कॅरियर के लिये ज्ञान, नेतृत्व क्षमता व समूह निर्माण की भावना अपने अन्दर विकसित करनी चाहिए। मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० (डॉ.) के. एस. राणा ने कहा कि युवा ही देश के भविष्य होते है। उनका व्यक्तिगत विकास जितना प्रभावशाली होगा देश उतना ही उन्नति करेगा। वार्षिक समारोह की अध्यक्षता करते हुऐ मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमें ज्ञान के विभिन्न शाखाओं में श्रेष्ठता हासिल करनी होगी, तभी हम जैसा दो चाहते हैं, वैसा देश बना पाएगे। उन्होने कहा कि हमें अपनी संस्कृति और परम्पराओं को सहेजने की जरूरत है। इसके पश्चात् वार्षिक समारोह में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले उत्कृष्ट छात्रों को विभिन्न, पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। जिसके अन्तर्गत नन्दलाल गदिया सर्वश्रेष्ठ अकादमिक अवार्ड, पाठ्येार गतिविधि एक्सीलेन्स अवार्ड, बेस्ट प्लेयर अवार्ड, बेस्ट एथलीट अवार्ड एवं वाईस चान्सलर अवार्ड से विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया है। वार्षिक समारोह के अन्तर्गत ओडीसी नृत्य, सिक्किम का समूह नृत्य, राजस्थानी नृत्य व फैशन शो भी आयोजित किए गए। इस समारोह में अन्तिम दिन फैशन शो के विजेताओं का चयन किया गया जिसमें प्रथम पुरस्कार खुशी सोनी व निखिल जोशी, द्वितीय पुरस्कार स्वीटी खानन व मुटाफगवई गेसी, तथा तृतीय पुरस्कार आरती यादव, व साकिब रशीद को मिला। धन्यवाद ज्ञापन मेवाड़ विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार बी.एल. स्वर्णकार ने किया। इस अवसर पर मेवाड़ एजुकेान सोसायटी के अध्यक्ष गेविन्द लाल गदिया, प्रति कुलपति डॉ. स्त्रोम दीक्षित, सह-रजिस्ट्रार लक्ष्मण सिंह रावत, ओएसडी एच. विधानी, अर्पित माहेश्वरी, हरीश गुरनानी एवं डी.के. शर्मा सहित समस्त डीन, विभागाध्यक्ष, शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम • समारोह में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया

मेवाड़ विश्वविद्यालय विभिन्न संस्कृतियों के विद्यार्थियों का संगम है : प्रो. शान्तिश्री धुलिपुड़ी

भास्कर संवाददाता | गंगरार

मेवाड़ विश्वविद्यालय विभिन्न संस्कृतियों के विद्यार्थियों का संगम है। जो अतिथि देवोभवः की अवधारणा को दर्शाता है। उक्त उद्गार जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. शान्तिश्री धुलीपुड़ी पण्डित ने विश्वविद्यालय के समारोह में बतौर मुख्य अतिथि कही।

उन्होंने कहा कि मेवाड़ विश्वविद्यालय ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा की जो अलख जगा रहा है, वह अनुकरणीय है। जेएनयू मेवाड़ विश्वविद्यालय के सहयोग के लिये सदैव तैयार है। इससे पहले कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वन्दना व कुलगीत से हुई। अतिथियों का परिचय व स्वागत भाषण मेवाड़ विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ला ने दिया। इस अवसर पद्मश्री प्रो. किरन सेठ को भी कुलाधिपति, डॉ. अशोक कुमार गदिया द्वारा सम्मानित किया गया। विशिष्ट अतिथि हिन्दुस्तान जिंक के यूनिट हेड सी-चन्दूर ने कहा कि समारोह के जरिए अपने व्यक्तित्व के विकास एवं नेतृत्व क्षमता को बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए। मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) केएस राणा ने कहा कि युवा ही देश के भविष्य होते है। अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने की। इसके बाद समारोह में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले उत्कृष्ट छात्रों को सम्मानित किया गया। जिसके तहत अकादमिक अवार्ड, एक्सीलेन्स अवार्ड, बेस्ट प्लेयर अवार्ड, बेस्ट एथलीट अवार्ड एवं वाइस चान्सलर अवार्ड से विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। समारोह में अन्तिम दिन फैशन शो के विजेताओं का चयन किया गया, जिसमें प्रथम पुरस्कार खुशी सोनी व निखिल जोशी, द्वितीय पुरस्कार स्वीटी खानन व मुटाफगवई गेसी तथा तृतीय पुरस्कार आरती यादव, व साकिब राशिद को मिला। धन्यवाद विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार बीएल स्वर्णकार ने दिया। इस अवसर पर मेवाड़ एजुकेशन सोसायटी के अध्यक्ष गोविन्द लाल गदिया, प्रति कुलपति डॉ. सर्वोत्तम दीक्षित, सह-रजिस्ट्रार लक्ष्मण सिंह रावत, ओएसडी एच. विधानी, अर्पित माहेश्वरी, हरीश गुरनानी एवं डीके शर्मा सहित समस्त डीन, विभागाध्यक्ष, शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

अतिथि देवो भवः की भावना का सजीव उदाहरण मेवाड़ विश्वविद्यालयः प्रो. शान्तिश्री धुलीपुड़ी

गंगरार, 31 मार्च (नसं.) । मेवाड़ विश्वविद्यालय विभिन्न संस्कृतियों, विभिन्न राज्यों, विभिन्न देशों के विद्यार्थियों का संगम है, जो अपने असल रूप में अतिथि देवोभवः की अवधारणा को दर्शाता है।

उक्त उद्गार जवाहर लाल नेहरू विष्वविद्यालय की कुलपति प्रो. शान्तिश्री धुलीपुड़ी पण्डित ने मेवाड़ विश्वविद्यालय के वार्षिक समारोह में मुख्य के रुप में व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि निसन्देह मेवाड़ विश्वविद्यालय ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा की जो अलख जगा रहा है, यह अन्य विश्वविद्यालयों के लिये अनुकरणीय है। जेएनयू, मेवाड़ विष्वविद्यालय के साथ सहयोग करने के लिये सदैव तैयार है। प्रो. पण्डित मेवाड़ विश्वविद्यालय में पिछले दस दिनों से वार्षिक समारोह के अन्तर्गत विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक, खेल एवं तकनीकी प्रतियोगिताओं के समापन समारोह को सम्बोधित कर रही थीं। विशिष्ट अतिथि हिन्दुस्तान जिंक के यूनिट हेड सी-चन्द्रू ने छात्रों को मार्गदर्शन प्रदान करते हुए कहा कि वार्षिक समारोह में होने वाली विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने का मतलब

महज मस्ती करना ही नहीं, बल्कि इनके जरिये अपने व्यक्तित्व के विकास एवं नेतृत्व क्षमता को बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक सफल कॅरियर के लिये ज्ञान, नेतृत्व क्षमता व समूह निर्माण की भावना अपने अन्दर विकसित करनी चाहिए।

कुलपति प्रो. (डॉ.) केएस राणा ने कहा कि युवा ही देश के भविष्य होते है, उनका व्यक्तिगत विकास जितना प्रभावशाली होगा देश उतना ही उन्नति करेगा। वार्षिक समारोह के अध्यक्ष मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमें ज्ञान के विभिन्न शाखाओं में श्रेष्ठता हासिल करनी होगी, तभी हम जैसा देश चाहते हैं, वैसा देश बना पाएंगे। उन्होंने कहा कि हमें अपनी संस्कृति और परम्पराओं को सहेजने की जरुरत है।

इस दस दिवसीय कार्यक्रम में लगभग चालीस प्रतिस्पर्धाओं में विश्वविद्यालय के एक हजार से भी अधिक विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शरुआत सरस्वती वन्दना व कुलगीत से हुई। अतिथियों का स्वागत बुके, शॉल व स्मृति चिन्ह भेंट कर किया गया। अतिथियों का परिचय व स्वागत भाषण मेवाड़ विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ला ने दिया। इस अवसर पद्मश्री प्रो. किरन सेठ को भी कुलाधिपति, डॉ. अशोक कुमार गदिया द्वारा सम्मानित किया गया।

वार्षिक समारोह में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले उत्कृष्ट छात्रों को विभिन्न, पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। जिसके अन्तर्गत नन्दलाल गदिया को सर्वश्रेष्ठ अकादमिक अवार्ड, पाठ्येत्तर गतिविधि एक्सीलेन्स अवार्ड, बेस्ट प्लेयर अवार्ड, बेस्ट एथलीट अवार्ड एवं वाईस चान्सलर अवार्ड से विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया है। वार्षिक समारोह के अन्तर्गत ओडीसी नृत्य, सिक्किम का समूह नृत्य, राजस्थानी नृत्य व फैशन शो भी आयोजित किए गए। इस समारोह में अन्तिम दिन फैशन शो के विजेताओं का चयन किया गया जिसमें प्रथम पुरस्कार खुशी सोनी व निखिल जोशी, द्वितीय पुरस्कार स्वीटी खानन व मुटाफगवई गेसी, तथा तृतीय पुरस्कार आरती यादव व साकिब राशिद को मिला।

रजिस्ट्रार बीएल. स्वर्णकार ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर मेवाड़ एजुकेशन सोसायटी के अध्यक्ष गोविन्द लाल गदिया, प्रति कुलपति डॉ. सर्वोश्रम दीक्षित, सह-रजिस्ट्रार लक्ष्मण सिंह रावत, ओएसडी एच विधानी, अर्पित माहेश्वरी, हरीश गुरनानी एवं डीके शर्मा सहित समस्त डीन, विभागाध्यक्ष, शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मेवाड़ विश्वविद्यालय का वार्षिकोत्सव सम्पन्न

चित्तौड़गढ़ (प्रातःकाल संवाददाता)। मेवाड़ विश्वविद्यालय विभिन्न संस्कृतियों, विभिन्न राज्यों, विभिन्न देशों के विद्यार्थियों का संगम है। जो अपने असल रूप में अतिथि देवोभव: की अवधारणा को दर्शाता है। उक्त विचार जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. शान्ति श्री धुलीपुड़ी पण्डित ने मेवाड़ विश्वविद्यालय के वार्षिक समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किये। अतिथियों का परिचय व स्वागत भाषण प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ला ने दिया। इस अवसर पद्म श्री प्रो. किरन सेठ को भी कुलाधिपति, डॉ. अशोक कुमार गदिया द्वारा सम्मानित किया गया। विशिष्ट अतिथि हिन्दुस्तान जिंक के यूनिट हेड सी-चन्द्रू ने कहा कि वार्षिक समारोह में होने वाली विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने का मतलब मस्ती करना ही नहीं, बल्कि इनके जरिये अपने व्यक्तित्व के विकास एवं नेतृत्व क्षमता को बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए। इस अवसर पर कुलपति प्रो डॉ. के. एस. राणा ने विचार् व्यक्त किये। इसके पश्चात् वार्षिक समारोह में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले उत्कृष्ट छात्रों को विभिन्न, पुरस्कारों से सम्मानित किया गया, जिसके अन्तर्गत नन्दलाल गदिया सर्वश्रेष्ठ अकादमिक अवार्ड, पाठ्येश्रर गतिविधि एक्सीलेन्स अवार्ड, बेस्ट प्लेयर अवार्ड, बेस्ट एथलीट अवार्ड एवं वाईस चान्सलरअवार्ड से विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया है।